बाल मन कैमूर

अंक 4

माह अप्रैल

वर्ष 2022

संपादक :-धीरज कुमार

प्यारे बच्चो

नमस्कार

हमेशा की तरह आप सभी का प्यार और स्नेह हमे लगातार व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त हो रहे है।आप सभी इस मासिक पत्रिका को अपने शिक्षको के द्वारा या कई ग्रुप के माध्यम से प्राप्त कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है, जो हमे और भी नया और अच्छा करने की प्रेरणा दे रही है। इस पत्रिका के चौथे अंक को प्रकाशित कर आपको समर्पित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है ।हम पूरी कोशिश कर रहे है की आप सभी को पत्रिका का अगला अंक प्राप्त होते रहे ।इसके साथ ही सरकारी विद्यालय के बच्चो में इस पत्रिका के माध्यम से एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।आप सभी की ढेरो प्रतिभा हमे प्राप्त हो रही है।हम पूरा प्रयास कर रहे है की आपकी प्रतिभा को सम्मानित करते हुए उसे प्रकाशित करे।

हम आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास करते है की टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित बाल मन कैमूर के द्वारा आपकी प्रतिभा को केवल जिला स्तर पर ही नही अपितु राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर भी एक अलग पहचान प्राप्त हो।हमारी पूरी कोशिश है की हम बेहतर से भी बेहतर करे। यदि अनजाने में किसी प्रकार की त्रुटि या भूल हुई होगी तो हम उसे सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे।भूल-चुक के लिए हम क्षमाप्रार्थी है।आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका
धीरज कुमार
U.M.S.सिलौटा भभुआ कैमूर(बिहार)

सहयोगकर्ता सदस्य:-
1.अवधेश राम(UMS बहुवरा)
2. ब्रजेश कुमार(U.H.S.हरिदासपुर, कुदरा)
3. आशा पांडे (मध्य विद्यालय अखलासपुर)
4.आलोक मिश्रा (भगवानपुर)
5.अशोक कुमार(NPS भटवलिया नुआंव)
6.रजनीश पाठक (NPS मोहम्मदपुर मोहनियां)
7. खुशबू कुमारी (UMS दुघरा, भभुआ)
8.समित पटेल(PS कठौरा

प्रेरक प्रसंग

एक समय की बात है। रेगिस्तान के किनारे स्थित एक गाँव में एक व्यापारी रहता था। वह ऊँटों का व्यापार करता था। वह ऊँटों के बच्चों को खरीदकर उन्हें शक्तिशाली बनाकर बेचा करता था। इससे वह ढेर सारा लाभ कमाता था।

व्यापारी ऊँटों को पास के जंगल में घास चरने के लिए भेज देता था। जिससे उनके चारे का खर्च बचता था। उनमें से एक ऊँट का बच्चा बहुत शैतान था। उसकी हरकतें पूरे समूह की चिंता का विषय था। वह प्राय: समूह से दूर चलता था और इस कारण पीछे रह जाता था। बड़े ऊँट हरदम उसे समझाते थे पर वह नहीं सुनता था इसलिए उन सब ने उसकी परवाह करना छोड़ दिया था।

व्यापारी को उस छोटे ऊँट से बहुत प्रेम था इसलिए उसने उसके गले में घंटी बाँध रखी थी। जब भी वह सिर हिलाता तो उसकी घंटी बजती थी जिससे उसकी चाल एवं स्थिति का पता चल जाता था।

एक बार उस स्थान से एक शेर गुजरा जहाँ ऊँट चर रहे थे। उसे ऊँट की घंटी के द्वारा उनके होने का पता चल गया था। उसने फसल में से झांककर देखा तो उसे ज्ञात हुआ कि ऊँट का बड़ा समूह है लेकिन वह ऊँटों पर हमला नहीं कर सकता था क्योंकि समूह में ऊँट उससे बलशाली थे। इस कारण वह मौके की तलाश में वहाँ छुपकर खड़ा हो गया।

समूह के एक बड़े ऊँट को खतरे का आभास हो गया। उसने समूह को गाँव वापस चलने की चेवातानी दी और उन्हें पास पास चलने को कहा। ऊँटों ने एक मंडली बनाकर जंगल से बाहर निकलना आरम्भ कर दिया। शेर ने मौके की तलाश में उनका पीछा करना शुरू कर दिया।

बड़े ऊँट ने विशेषकर छोटे ऊँट को सावधान किया था। कही वह कोई परेशानी न खड़ी कर दे। पर छोटे ऊँट ने ध्यान नहीं दिया और वह लापरवाही से चलता रहा।

छोटा ऊँट अपनी मस्ती में अन्य ऊँटों से पीछे रह गया। जब शेर ने उसको देखा तो वह उस पर झपट पड़ा। छोटा ऊँट अपनी जान बचाने के लिए इधर – उधर भागा, पर वह अपने आप को उस शेर से बचा नहीं पाया। उसका अंत बुरा हुआ क्योंकि उसने अपने बड़ों की आज्ञा का पालन नहीं किया था।

शिक्षा – हमें अपनी भलाई के लिए अपने माता – पिता एवं बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।(सोशल मीडिया से)

🤔 अजब-गजब😳

1. इतिहास का सबसे छोटा युद्ध 38 मिनट का था।

2. जो लोग अपने दुख को हंसी के पीछे छिपाते है,उन्हे "ECCEDENTESIAST" कहते है।

3. 90% लोगो के चेहरे पर मोबाइल गिरती है,जब वे सोते हुए टाइप करते है।

4. मगरमच्छ की जीभ नही हिलती है।

5. शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से बड़ी होती है।

नन्हे कलाकार

मध्य विद्यालय अखलासपुर

UMS दुघरा

UHS हरदासपुर कुदरा

प्रीति कुमारी वर्ग 7 MS अखलासपुर

नंदनी कुमारी UMS सिलौटा

रिफत नाज़ गर्ल्स स्कूल भभुआ

पहेलियां 🙆‍♀️

1.अगर प्यास लगे तो पी सकते हो।
भूख लगे तो खा सकते हो।
ठंड लगे तो जला सकते है।
जल्दी से बतला कर तुम जीनियस बन सकते हो।

2. खुली रात में पैदा होती
हरी घास पर सोती हूं।
मोती जैसी मूरत मेरी
बादल की मैं पोती हूं।

3. मैं सबके पास।
कोई मुझे नही खो सकता है।
दिन भर रहती साथ तुम्हारे।
कोई नाम आसानी से बता सकता है।

4. खाना कभी ना खाता हूं।
और ना ही पानी पीता हूं।
अपनी बुद्धि के आगे मैं सबको हरा कर
समस्या को जल्दी हल करता हूं।

5.ऐसा क्या है जिसे आप दिन में कई बार उठाते है
और रखते है?

1.माचिस 2. ओस की बूंद 3.परछाई4.कंप्यूटर
5.कदम

😂😂हंसी के फव्वारे😂😂

.

1.ट्रेन में एक यात्री ने टीटी से पूछा : ये ट्रेन इतनी धीरे क्यों चल रही है?
टीटी ने कहा : भारी वर्षा के कारण.......
यात्री : तो फिर उस वर्षा को ट्रेन से उतार क्यों नही देते!!🤣🤣

2.शादी में एक आदमी बहुत देर से खाना खा रहा था.....
किसी ने बहुत देर तक देखते देखते उस आदमी से पूछा : भाई साहेब आप कितना खायेगे?
आदमी बोला : भाई मै भी खाते खाते परेशान हो गया हूं,लेकिन क्या करू शादी के कार्ड पर ही लिखा है की.....खाना खाने का समय 7 से10 बजे तक....!
😂😂😂😂😂😂😂😂😂

आपके पेंटिंग

अंजलि कुमारी,वर्ग 7
M.s.अखलासपुर(भभुआ)

प्राथमिक विद्यालय कठौरा(भभुआ)

पारन कुमारी वर्ग 6 , मध्य विद्यालय अखलासपुर

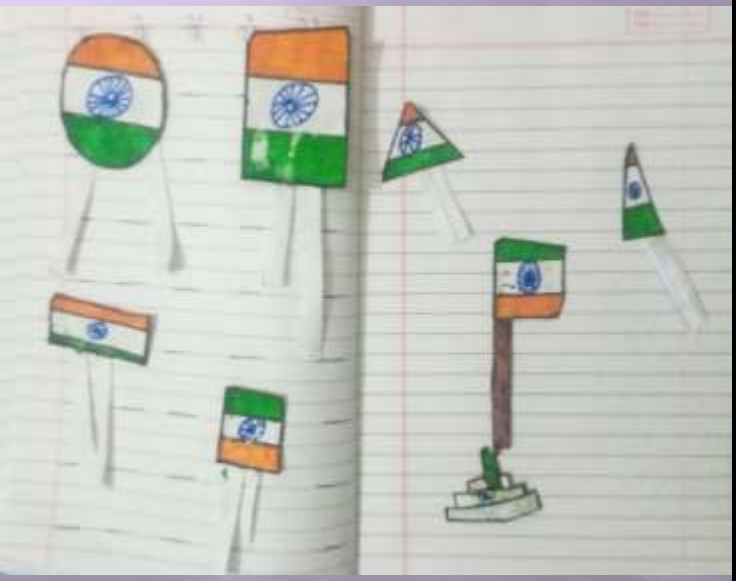

शिवांश कुमार वर्ग 3
Ums राधाखाड़,भगवानपुर

आयुष कुमार ,कक्षा,4 प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर (मोहनियां)

आशीष कुमार , वर्ग6,UMS दुघरा (भभुआ)

कविता

आरूष का स्कूल

==========

आरूष राजा बस्ता लेकर निकल पड़ा स्कूल,
चलते-चलते कुछ दूरी पर गया रास्ता भूल।
वहीं बैठकर सोच रहा है कैसे पढ़ने जाऊं ?
तभी पास में बिल्ली आकर बोली म्याऊं-म्याऊं।
आरूष ने अपने बोतल का उसको दूध पिलाया,
फिर बिल्ली ने बड़े प्यार से उसको गले लगाया।
हुआ मेल दोनों में बिल्ली ने स्कूल पहुंचाया,
बंद हुआ स्कूल तो दोनों ने खूब खेल रचाया।
हुई दोस्ती दोनों में संग में ही पढ़ने जाते,
दोनों मिलकर धमा-चौकड़ी करते ऊधम मचाते।

अवधेश राम
UMS बहुवारा भभुआ

चंदा मामा

चंदा मामा चंदा मामा,
हम सब के प्यारे मामा।
काली रात डरावनी लगती,
रात में उजाला कर देते।।

चंदा मामा रोज नहीं आते,
कहां तुम चले जाते।
अंधेरी रात को तुम क्यों नहीं?
रोज रोज भगाते।।

अंधेरी रात जब आए,
हम सब को कुछ नहीं भाए।
मेरी मां जब तुम्हें दिखाएं,
मन में खुशियां दौड़ी आती।।

मामा अपना रूप तुम,
हमेशा बदलते रहते हो।
हम सब सोच में पड़ जाते,
ऐसा तुम जब करते हो।।

मामा जब मैं रोता,
मां तुम्हें दिखाती।
मुझे मनाने के लिए,
लोरी सुनाती।।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय भटवलिया
नुआंव कैमूर

मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा
उत्क्रमित उच्च विद्यालय हरदासपुर (कुदरा)कैमूर

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर(कुदरा) कैमूर जिला के प्रखंड कुदरा के पचपोखरी,पंचायत के हरदासपुर गाँव मे अवस्थित है।यह कैमूर जिला एवम रोहतास जिले के बॉर्डर पर कुदरा नदी के तट पर अवस्थित है।इस विद्यालय में पहले छात्र उपस्थिति एक गंभीर समस्या थी।सभी शिक्षकों के मदद से अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने से संख्या बढ़ी।इस विद्यालय के बच्चो को विद्यालय में संध्या के समय प्रतिदिन नि:शुल्क ट्यूशन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कराया जाता है जिसमे सभी पढ़ाने वाले शिक्षक नि:शुल्क सेवा प्रदान करते है।विद्यालय में स्वछ भारत मिशन के तहत विद्यालय परिवेश की साफ सफाई तथा पोषण वाटिका लगाने हेतु बाल स्वछता सेना का गठन किया गया है। यह एक ऐसा संगठन है जो विद्यालय के लिए वरदान साबित हुआ है।इसके सभी सदस्य अपने कमांडर के साथ मिलकर प्रतिदिन अपने कर्तव्यों का निर्वाह्न कर रहे है।विद्यालय में शैक्षिक गतिविधि के साथ व्यवसायिक तथा तकनीकी शिक्षा भी दी जाती है।इसका देन है कि यहां के बच्चे inspire अवार्ड में चयन हुए है।विद्यालय के प्रधानाध्यापक ब्रजेश कुमार विज्ञान शिक्षक होने के नाते बच्चों के प्रतिभा को निखारने के प्रयास करते है।बच्चों में वैज्ञानिक सोच झलकता है।इस विद्यालय की विद्यालय शिक्षा समिति भी बहुत प्रभावशाली है। नए सत्र से कंप्यूटर की पढ़ाई हेतु तीन कंप्यूटर VSS के सदस्यों द्वारा प्रदान की गई तथा प्रधानाध्यापक ब्रजेश कुमार द्वारा भी एक कंप्यूटर दान दिया गया।इस प्रकार वह समय दूर नही है जब विद्यालय के बच्चे बहुत आगे जायेगे और विद्यालय का नाम रौशन करेंगे।

हमारे आदर्श शिव कुमार

टीचर्स ऑफ बिहार मंच आज पूरे भारत में अपनी एक अलग पहचान रखता है।आज टीचर्स ऑफ बिहार एक ऐसा परिवार है जिसके साथ पूरे बिहार के शिक्षक और छात्र जुड़े हुए है।इस टीचर्स ऑफ बिहार की शुरुआत आदरणीय शिव कुमार सर के द्वारा की गई ।धीरे -धीरे ये परिवार बढ़ते गया और सरकारी विद्यालय के प्रति लोगो का नजरिया भी टीचर्स ऑफ बिहार के कारण बदलते गया।स्कूल ऑन मोबाइल द्वारा covid के दौर में भी बच्चो के लिए समर्पण भाव से शिक्षा जारी रखी गई।फलस्वरूप सबके स्नेह और आशीर्वाद से भारत में शिक्षा के क्षेत्र में दिया जाने वाला प्रतिष्ठित जागरण जोश शिक्षा सम्मान 2022 माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अजय भट्ट जी एवं दैनिक जागरण के सीईओ श्री भरत गुप्ता जी के कर कमलों द्वारा शिव कुमार जी को नई दिल्ली में एक अति विशिष्ट सम्मान समारोह में दिया गया। यह सम्मान बिहार के समस्त शिक्षकों एवं टीचर्स ऑफ बिहार के सभी साथियों को समर्पित है जिनके कार्यों के वजह से आज पूरे देश में टीचर्स ऑफ बिहार का डंका बजा।शिव कुमार जी निरंतर बिहार में शिक्षकों एवं बच्चों के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु कार्य करते रहेंगे। आप हमारे लिए एक आदर्श है।ToB कैमूर की पूरी टीम के तरफ से भी आपको बहुत बहुत बधाई।

एक नज़र इधर भी.....

UMS सिलौटा भभुआ

प्राथमिक विद्यालय कठौरा भभुआ

सुरक्षित शनिवार
प्राथमिक विद्यालय कठौरा
प्रखंड भभुआ

टी.एल.एम. द्वारा शिक्षण भाग - 4

==========

ल.स. , म.स. युक्ति :-

अवधेश राम, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा भभुआ

साड़ी के खाली डिब्बे से बना यह टी.एल.एम. शून्य निवेश नवाचार की संकल्पना पर आधारित है। इसमें डिब्बे के आन्तरिक भाग को थर्मोकोल की पतली पट्टी से 54 वर्गाकार खाने बनाये गए हैं। नीचे बायें तरफ 1 से शुरू करते हुए प्रत्येक खाने में क्रमशः 54 तक की संख्याओं को अंकित किया गया है। मिट्टी की छोटी-छोटी रंगीन गोलियों के सहारे हम संख्याओं के ल.स. एवं म.स. की अवधारणा को समझते हैं।

प्रयोग विधि:- मान लीजिए हमें 4 और 6 का ल.स. मालूम करना है तो सबसे पहले हम 4 और 6 के जितने अपवर्त्य इस टी एल एम में आते हैं हम उसमें एक-एक गोली डालेंगे। अब हम देखते हैं कि कुछ खानों में एक और कुछ में दो गोलियां हैं।जिस खाने में जिस खाने में एक गोली है वह या तो 4 का अपवर्त्य है या 6 का।जिस खाने में दो-दो गोलियां हैं वह 4 का भी अपवर्त्य है और 6 का भी। इस तरह जो दो या दो से अधिक संख्याओं का अपवर्त्य होता है उसे उन संख्याओं का समापवर्त्य कहते हैं और सबसे छोटे समापवर्त्य को लघुतम समापवर्त्य कहा जाता है इसी तरह म.स.की अवधारणा स्पष्ट किया जा सकता है।

गोटी से महत्तम समापवर्तक निकलना

महत्तम समापवर्तक की अवधारणा विकसित करने के टी एल एम पूर्णतः शून्य निवेश पर आधारित है। रद्दी कूट को काटकर इस टी एल एम को बनाया है। इस टी एल एम के माध्यम से बच्चे आसानी से महत्तम समापवर्तक की अवधारणा समझ सकते हैं। यदि हम 5 और 9 का महत्तम समापवर्तक निकालना हो तो हम पहले खाने में पांच गोटिया एवं दूसरे खाने में 9 गोटिया रख देंगे। जब तक दोनों खाने में गोटिया बराबर नहीं होगी तब तक हम अधिक गोटी में से कम गोटी को निकालते रहेंगे। जैसे-पहले खाने में 5 गोटिया है एवं दूसरे खाने में 9 गोटिया है। हम 9 में से पांच गोटिया निकाल देंगे तो दूसरे खाने में4 गोटिया बचेंगी। अब हम देखेंगे पहले खाने में पांच गोटिया हैं और दूसरे खाने में चार गोटिया है। अब हम पहले खाने से चार गोटिया निकाल देंगे अब बच जाएगी एक। पहले खाने में एक गोटी बच जाएगी एवं दूसरे खाने में चार गोटिया बच जाएगी। हम दूसरे खाने से एक एक गोटिया निकालते जाएंगे जब तक हमारा पाहला खाना एवं दूसरा खाना बराबर न हो जाए। हम देखेंगे दोनों खाने में एक एक गोटिया बच जाएगी। अतः हमारा 5 एवं 9 का महत्तम समापवर्तक एक होगा। इस खेल के माध्यम से हम बच्चों को गणितीय अवधारणा महत्तम समापवर्तक को आसानी से समझा सकते हैं।

अशोक कुमार
NPS भटवलिया नुआंव

अप्रैल महीने में जयंती समारोह

9 अप्रैल
सम्राट
अशोक

14 अप्रैल
भीम राव
अंबेडकर

14 अप्रैल
महावीर
जयंती

23 अप्रैल
वीर कुंवर सिंह
जयंती

सामान्य ज्ञान

1. बिहू किस राज्य का लोकप्रिय उत्सव है?
2. ATM का फुलफॉर्म क्या है ?
3. किस नदी को बिहार का शोक कहते है?
4. भारत का राष्ट्रीय खेल क्या है ?
5. मानचित्र बनाने और अध्धयन करने के विज्ञान को क्या कहते है?
6. जल मंदिर कहा स्थित है?
7. बिहार के किस जिले में लीची का उत्पादन सबसे अधिक होता है ?

पिछले अंक में सबसे पहले जवाब देने वाले विद्यार्थी है - कृति कुमारी वर्ग 5 प्राथमिक विद्यालय कठौरा भभुआ

आप अपने जवाब हमे व्हाट्सएप कर सकते है।

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाईल नंबर 9431680675 पर दे सकते है।